

ये अव्यक्त इशारे

ईच्छा मात्रम् अविद्या की स्थिति का अनुभव करो और कराओ

16-09-2024

जैसे अपार दुःखों की लिस्ट है, वैसे फल की इच्छाएं वा जो उसका रेसपान्स लेने का सूक्ष्म संकल्प रहता है वह भी भिन्न-भिन्न प्रकार का होता है। निष्काम वृत्ति नहीं रहती। पुरुषार्थ के प्रारब्ध की नॉलेज होते हुए भी उसमें अटैचमेंट रहती है। कोई महिमा करते हैं और उसकी तरफ आपका विशेष ध्यान जाता है तो यह भी सूक्ष्म फल को स्वीकार करना है।

Experience the stage of being ignorant of the knowledge of desires and give others this experience.

Just as there is a long list of the different types of sorrow, so too, there are various desires for fruit or for some subtle thoughts for a response, in which case you are unable to have an altruistic attitude. Even whilst knowing the reward of effort, there is attachment to it. When you pay special attention to someone who praises you, that too, is like accepting fruit in a subtle way.